नेपाल के पीएम ओली की पार्टी में 'प्रचंड' तूफान

सिर फुटव्वल नेपाल की सत्ताधारी पार्टी में सिर फुटव्वल, सामने आए केपी शर्मा ओली और दहल

■इस्तीफा देने से ओली का इनकार, प्रचंड की धमकी–पार्टी तोड़ दूंगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
काठमांडू। भारत के साथ सीमा विवाद और नागरिकता को लेकर कड़े तेवर अपना रहे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी अब टूट के कगार पर पहुंच गई है। नेपाल की सत्ताधारी कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकारी चेयरमैन पुष्प कमल दहल श्प्रचंडश ने पीएम ओली की आलोचना के बाद उनसे अब इस्तीफे की मांग की है। प्रचंड ने ओली को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर पीएम ने इस्तीफा नहीं दिया तो वह पार्टी को तोड़ देंगे।

ओली ने किया इस्तीफे से इनकार जानकारी के अनुसार पीएम केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। प्रचंड को पार्टी के भीतर खूब समर्थन भी मिल रहा है। पार्टी के दो पूर्व पीएम और कई सांसदों ने ओली के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं नेपाल की जनता में कोरोना वायरस की त्रासदी को लेकर ओली सरकार के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा देखा जा रहा है।

उम्मीदों पर खरी उतरने में विफल सरकारः पार्टी की स्टैंडिंग कमिटी की मीटिंग में दहल ने कहा कि सरकार लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरने में विफल रही है। उन्होंने चेयरपर्सन और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली पर अदल–बदलकर पावर शेयरिंग के समझौते का उल्लंघन करने का आरोप भी लगाया। दहल ने कहा, हम पार्टी के एकीकरण के वक्त सरकार को अदल–बदलकर चलाने के लिए सहमत हुए थे लेकिन मैंने खुद अपने कदम पीछे खींच लिए। सरकार का काम देखने के बाद मुझे लग रहा है मैंने ऐसा करके गलती की।

सत्ताधारी पार्टी के नेता विपक्ष की तरह कर रहे बर्तावः दहल ने यह भी कहा कि अगर सरकार समाजवाद हासिल करने के अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाती है, तो पार्टी को अगले चुनावों में असफलता देखनी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार और पार्टी दोनों संकट में हैं। दूसरी ओर ओली ने सरकार का बचाव करते हुए कहा कि प्रशासन देशहित में जुटा हुआ है और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी के नेता ही विपक्ष की तरह बर्ताव कर रहे हैं।

नेपाल में सत्ता में वामपंथी, चीन से बढ़ाई नजदीकीः नेपाल में इन दिनों राजनीति में वामपंथियों का दबदबा है। वर्तमान प्रधानमंत्री केपी शर्मा भी वामपंथी हैं और नेपाल में संविधान को अपनाए जाने के बाद वर्ष 2015 में पहले प्रधानमंत्री बने थे। उन्हें नेपाल के वामपंथी दलों का समर्थन हासिल था। केपी शर्मा अपनी भारत विरोधी भावनाओं के लिए जाने जाते हैं। वर्ष 2015 में भारत के नाकेबंदी के बाद भी उन्होंने नेपाली संविधान में बदलाव नहीं किया और भारत के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए केपी शर्मा चीन की गोद में चले गए। नेपाल सरकार चीन के साथ एक डील कर ली। इसके तहत चीन ने अपने पोर्ट को इस्तेमाल करने की इजाजत नेपाल को दे दी।

न्यूज डायरी

पाकिस्तान पर हमले की साजिश रच रहा भारतः शाह महमूद कुरैशी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने बुधवार को भारत पर आरोप लगाया कि वह चीन के साथ सीमा विवाद से अपने विपक्ष का ध्यान भटकाने के लिए उनके देश पर हमले की साजिश रच रहा है। भारत ने एक दिन पहले ही पाकिस्तान से कहा था कि वह नई दिल्ली स्थित अपने उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या में कटौती करे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने 'जियो पाकिस्तान'चौनल से बातचीत करते हुए कहा कि भारत का रुख स्पष्ट है (सब देख सकते हैं) क्योंकि वह चीन के साथ अपने सीमा विवाद से ध्यान भटका कर पाकिस्तान की ओर करना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत श्फॉल्स फ्लैग आपरेशन'(ऐसी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई, जिसमें कार्रवाई करने वाले की पहचान अस्पष्ट हो) शुरू करने का बहाना ढूंढ रहा है। लेकिन उन्होंने इसका कोई ब्यौरा नहीं दिया और न ही कोई सबूत दिया।

एफएटीएफ का फैसला, फिलहाल ग्रे लिस्ट में ही रहेगा पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत में आतंकी हमलों को अंजाम देने वाले संगठनों को पालने वाले पाकिस्तान को एक और अंतरराष्ट्रीय मंच पर झटका लगा है। फाइनैंशल ऐक्शन टास्क फोर्स ने बुधवार को फैसला किया है कि पाकिस्तान को फिलहाल ग्रे लिस्ट में ही रखा जाएगा क्योंकि वह लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे संगठनों को पहुंचने वाली फंडिंग पर नकेल नहीं कस पाया है। एफएटीएफ का यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब अमेरिका ने अपनी रिपोर्ट में पाकिस्तान को भारत, अफगानिस्तान और श्रीलंका में आतंकी हमले करने वाले संगठनों के पलने की जगह बताया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित एफएटीएफ के अधिवेशन की अध्यक्षता चीन के शियांगमिन लिऊ ने की थी। इस अधिवेशन में इस बात का फैसला किया जाना था कि उसे ग्रे लिस्ट में रखा जाएगा या ब्लैक लिस्ट में डाला जाएगा।

पाकिस्तान में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 1,92,000 के पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड–19 संक्रमण के 4,044 नए मामले सामने आए, जिसके बाद देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 1,92,000 के पार पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार इस दौरान महामारी से 148 और लोगों की जान चली गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 3,903 हो गई। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में कोविड–19 के 4,044 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 1,92,970 हो गई। सिंध में कोविड–19 के 74,070, पंजाब में 71,191, खैबर पख्तूनख्वा में 23,887, इस्लामाबाद में 11,710, बलूचिस्तान में 9,817, गिलगित बल्तिस्तान में 1,365 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 930 मामले सामने आए हैं। पाकिस्तान में अब तक कोविड–19 के 81,307 मरीज ठीक हो चुके हैं।

भारत संयुक्त राष्ट्र के 'गरीबी उन्मूलन गठबंधन' में संस्थापक सदस्य के तौर पर हुआ शामिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। भारत संयुक्त राष्ट्र के 'गरीबी उन्मूलन गठबंधन' के संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष द्वारा गठित इस गठबंधन का लक्ष्य कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना है। महासभा के 74वें सत्र के अध्यक्ष तिजानी मोहम्मद बंदे 30 जून को 'गरीबी उन्मूलन गठबंधन' की औपचारिक शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन विश्व शांति, मानवाधिकार एवं सतत विकास को गरीबी के कारण पैदा होने वाले खतरों के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए सदस्य देशों को मंच मुहैया कराएगा। भारत ने जोर दिया है कि केवल मौद्रिक मुआवजे से गरीबी उन्मूलन नहीं होगा, गरीबों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्यसेवा, स्वच्छ जल, स्वच्छता, उचित आवास एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है।

ब्रिटेन में कोरोना की नई वैक्सीन का इंसानों पर ट्रायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
लंदन। ब्रिटेन में कोरोना वायरस की एक नई वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल शुरू हो गया है। इस वैक्सीन से जुड़े वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि इससे मानव शरीर में इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। बताया जा रहा है कि जानवरों पर किए गए ट्रायल के दौरान इस वैक्सीन ने अच्छा परिणाम दिया है।

इस वैक्सीन का ट्रायल लंदन के इंपीरियल कॉलेज में 300 लोगों के ऊपर किया जाएगा। इस प्रोजक्ट की अगुवाई इंपीरियल कॉलेज के प्रोफेसर रॉबिन शटोक कर रहे हैं। बता दें कि ब्रिटेन में यह कोरोना की दूसरी वैक्सीन है जो ह्यूमन ट्रायल के फेज तक पहुंची है। इससे पहले ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक एक अन्य वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल कर रहे हैं।

2021 के शुरुआत में प्रोडक्शन की संभावनाः इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों ने बताया कि पहले चरण के ह्यूमन ट्रायल के बाद अक्टूबर में इस वैक्सीन का दूसरा ट्रायल आयोजित किया जाएगा।

इस दौरान वैक्सीन का परीक्षण 6000 लोगों पर करने की योजना है। इंपीरियल कॉलेज की टीम ने संभावना जताई है कि इस वैक्सीन को 2021 के शुरुआत में प्रोडक्शन के लिए दिया जा सकता है। विश्व में जिन अन्य वैक्सीन का परीक्षण चल रहा है उनमें से अधिकतर कमजोर या वायरस का परिवर्तित रूप हैं।

पाकिस्तान लगातार बढ़ा रहा परमाणु हथियारों का जखीरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। भारत को अपना नंबर वन दुश्मन मानने वाला पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को लगातार बढ़ा रहा है। जर्मन सरकार की रिपोर्ट ने पाकिस्तान के परमाणु प्रसार की प्रतिबद्धताओं की कलई खोलकर रख दी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के सहयोग से पाकिस्तान तेजी से अपनी न्यूक्लियर अटैक क्षमता को बढ़ा रहा है। 16 जून 2020 को जारी जर्मनी की एनुअल रिपोर्ट ऑफ द ऑफिस फॉर द प्रोटक्शन ऑफ द कंस्टीट्यूशन फॉर द जर्मन स्टेट ऑफ बैडेन–वुर्टेमबर्ग में कहा गया है कि पाकिस्तान समेत ईरान, उत्तर कोरिया और सीरिया तेजी से सामूहिक विनाश के हथियारों को बना रहे हैं। इनमें परमाणु, जैविक और रासायनिक हथियार शामिल हैं।

चीन पर बरसा अमेरिका, रूसी तानाशाह से की जिनपिंग की तुलना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
वॉशिंगटन। कोरोना वायरस और साउथ चाइना सी को लेकर भिड़े अमेरिका और चीन में तल्खियां लगातार बढ़ती जा रही है। अमेरिका ने अब सीधे तौर पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर निशाना साधते हुए उन्हें तानाशाह करार दिया। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव शी जिनपिंग खुद को सोवियत तानाशाह जोसेफ स्टालिन के उत्तराधिकारी के रूप में देखते हैं।

इतना ही नहीं, अमेरिकी एनएसए ने फीनिक्स में एक कार्यक्रम के दौरान यह भी कहा कि हमारी सहनशीलता और भोलेपन के दिन

हमारी सहनशीलता और भोलेपन के दिन खत्मः अमेरिका

अब खत्म हो गए हैं। हम अब कम्यूनिस्ट पार्टी और उसकी विचारधारा के प्रसार पर लगाम लगाने के लिए कार्रवाई करेंगे। अमेरिका अब चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी के कारण पैदा होने वाले खतरों को लेकर सचेत हो गया है।

चीन को लेकर गलत थे अमेरिकी नीति नियंताः ओब्रायन ने कहा कि दशकों से चीन से खतरे को कम आंकने में दोनों राजनीतिक दल नाकाम रहे हैं। वहीं चीन सरकार अपनी छवि को दुनिया में फिर से बनाने के लक्ष्य में जुटी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नीति नियंता गलत थे कि चीन आर्थिक रूप से विकसित होने के बाद लोकतंत्र और उदारीकरण के रास्ते पर जाएगा। जबकि, हुआ इसके ठीक विपरीत। अब चीन अपनी कम्यूनिस्ट विचारधारा के प्रति और कट्टर हो गया है।

ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारी चीन पर साधेंगे निशानाः रॉबर्ट ओब्रायन ने कहा कि उनके बाद आने वाले कुछ दिनों में विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, अटॉर्नी जनरल विलियम बॉर और एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे सहित ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी चीन को चेतावनी देंगे। माना जा रहा है कि आगामी राष्ट्रपति चुनावों को देखते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के खिलाफ और आक्रामक तेवर दिखाने वाले हैं।

अब केन्या ने चीन को दिया झटका बिलियन डॉलर का रेलवे प्रोजक्ट किया रद्द

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नैरोबी। एशिया के बाद अब अफ्रीकी देशों को अपने आर्थिक कूटनीति के जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे चीन को तगड़ा झटका लगा है। शी जिनपिंग की चाल को समझते हुए केन्या ने चीन के अरबों डॉलर के रेलवे प्रोजक्ट को रद्द कर दिया है। इस रेलवे प्रोजेक्ट के अनुबंध को लेकर दायर याचिका के दौरान केन्या की अदालत ने इसे अवैध पाया था। बता दें कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चाइना अफ्रीका समिट के दौरान बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत केन्या के साथ एक स्टेंडर्ड गेज रेललाइन बिछाने के समझौते पर हस्ताक्षर किया था। इतना ही नहीं, कुछ दिनों पहले शी जिनपिंग ने केन्या के राष्ट्रपति उहुरु केन्याटा को मोम्बासा पोर्ट तक से कार्गो सप्लाई किए जाने को लेकर बधाई भी दी थी।

केन्या के साथ चीन ने रेलवे लाइन को लेकर साल 2017 में समझौता किया था। जिसके तहत चाइना रोड एंड ब्रिज कॉर्पोरेशन केन्या में अरबों डॉलर की लागत से महत्वकांक्षी प्रोजक्ट बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के माध्यम से रेलवे लाइन का विस्तार कर रहा था।